# १. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम

## १. संस्कृति एवं कार्यजगत की पहचान

**सूचना के स्रोत** (समाचारपत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, इंटरनेट)

(१) समाचारपत्र के समाचारों का संग्रह करना ।

(२) आकाशवाणी के समाचार सुनकर मित्रों को बताना ।

(३) दूरदर्शन के समाचार देखना, सुनना और अपने पसंदीदा विषय के समाचार लिखना ।

- **समाचारों के प्रकार**

  सांस्कृतिक, जानकारीपरक, पर्यावरणपूरक, शैक्षणिक, विज्ञान संबंधी, मन को आनंदित, स्फूर्तिदायी और उत्साहित करने वाले समाचार ।

**मेरी कृति :**

(१) चुने हुए समाचार एक-दूसरे को बताना या पढ़कर सुनाना ।
(आवाज, उच्चारण और गति का उचित उपयोग करना ।)

(२) क्या विद्यालय के सूचना फलक पर लिखी जानकारी पढ़ी है ?

(३) ऐसी कोई भी जानकारी अथवा एक समाचार जो आपको पसंद आया/लगा हो, अपनी कॉपी में लिखो।

◆ सूचना स्रोत से क्या तात्पर्य है ? इस संबंध में जानकारी दें । प्रत्येक को कोई समाचार या जानकारी बताने का अवसर दें । समाचार और अफवाह के बीच का अंतर बताएँ ।

# २. जल साक्षरता

## २.१ जल के उपयोग

जल अर्थात जीवन है । सजीवों को जल की आवश्यकता होती है । विविध कार्यों के लिए जल का उपयोग किया जाता है । पूरे वर्ष के लिए आवश्यक लगने वाला जल वर्षा ऋतु के चार महीनों में प्राप्त होता है । यह जल वर्षभर उपलब्ध हो सके, इस दृष्टि से जल का योग्य एवं योजनाबद्ध उपयोग करना आवश्यक है ।

**मेरी कृति :**

जल संबंधी कहावतें एवं घोष वाक्य तैयार करो तथा उचित स्थानों पर लगाओ ।

**विश्व जल दिवस संबंधी अधिक जानकारी प्राप्त करो ।**

२२ मार्च

- 'जल के उपयोग' इस संबंध में चित्र वाचन करवाकर चर्चा करें । चित्र में कौन-सी बातें गलत हैं ? उसके लिए क्या करना अपेक्षित है, यह पूछें । जल के सुनियोजित उपयोग के लिए क्या किया जा सकता है, इसपर चर्चा करें । जल का किफायती उपयोग कैसे किया जा सकता है, इसके लिए 'मेरा जल संचय बैंक' उपक्रम कार्यान्वित करवाएँ ।

## २.२ जल शुद्ध करने की विधियाँ

स्वास्थ्य के लिए शुद्ध जल आवश्यक है । आँखों से स्वच्छ दिखाई देने वाला पेयजल शुद्ध होता ही है; ऐसा नहीं है । शुद्ध जल में किसी तरह की गंध या रंग नहीं होता । वह जल अशुद्ध होता है जिसमें हानिकर विषाणु, विभिन्न रसायन, सड़ी-गली घासफूस अथवा क्षारों की मात्रा अधिक हो ।

**क्या तुम जानते हो ?**

अशुद्ध जल के कारण अनेक तरह की गंभीर बीमारियाँ होती हैं । जैसे ; पेट के विकार, पीलिया, संक्रामक रोग आदि । इसीलिए पेयजल को शुद्ध करके पीने की नितांत आवश्यकता है ।

- **जल शुद्ध करने की कुछ घरेलू विधियाँ**

(१) **निथारना :** मटमैले जल में फिटकरी घुमाकर जल स्थिर करने पर गाद-मिट्टी नीचे बैठ जाती है ।

(२) **छानना :** जल को साफ-सुथरे चौहरे कपड़े से छान लेना ।

(३) **उबालना :** छना हुआ जल उबालकर ठंडा कर लेना ।

निथारना

छानना

उबालना

**मेरी कृति :**

(१) अशुद्ध जल के कारण होने वाली बीमारियों की जानकारी प्राप्त करो ।

(२) घर का जल शुद्ध करने के लिए किस विधि का उपयोग करोगे ?

(३) निम्न विधियाँ करके देखो ।

मटमैला जल  निथारना  फिटकरी घुमाना  छानना

- परिसर के जल शुद्धीकरण केंद्र की सैर का आयोजन करें ।

# ३. आपदा प्रबंधन

**'आपदा से तात्पर्य है संकट तथा प्रबंधन से तात्पर्य योजना बनाना है' ।**

- **आपदा के प्रकार :**

(१) प्रकृति जनित आपदा (२) मानव जनित आपदा

### (१) प्रकृति जनित आपदा

भूकंप, तूफान, बाढ़, दावानल, अकाल ये सभी प्राकृतिक आपदाएँ हैं । आपदा प्रबंधन द्‌वारा इन आपदाओं की रोक-थाम या आपदा प्रभाव को कम करके मानव जीवन को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

### (२) मानव जनित आपदा

मानव जनित आपदाएँ मनुष्य की गैरजिम्मेदारी या असावधानी युक्त कारणों से उत्पन्न होती हैं । इसलिए इन्हें मानव जनित आपदाएँ कहा जाता है । जैसे-यातायात नियमों का पालन न करना, तीव्र गति से वाहन चलाना, जल का अपव्यय करना, पंखे, बत्तियाँ और नल बंद न करना ।

चित्र वाचन

**मेरी कृति :** भीड़-भाड़वाले स्थानों पर कौन-सी सावधानी बरतोगे; यह बताओ ।

◆ आपदा प्रबंधन के संबंध में चित्रवाचन करवाकर चर्चा करें । चित्र के प्रसंगों में क्या करना अपेक्षित है; यह पूछें । मानव जनित आपदाओं से बचने हेतु कौन-सी सावधानी बरतनी चाहिए, यह समझाएँ ।